Acting Audition Script in Hindi|ऐक्टिंग ऑडिशन स्क्रिप्ट इन हिन्दी

पूर्वाभास:

हेलो दोस्तों कैसे हो सब आज की नई स्क्रिप्ट खास आपके लिए **"Acting Audition Script in Hindi|ऐक्टिंग ऑडिशन स्क्रिप्ट इन हिन्दी "** ; इस स्क्रिप्ट मे २ दोस्त है, दोन्हों एकदूसरे से काफी क्लोज़ है| कल श्याम को कुछ ऐसा हुवा है जिससे इन दोन्हों मे लड़ाई शुरू हुई है , वैसे यह लड़ाई मार पीट की नहीं बल्कि शब्दों की है| अब आखिर मे इन दोन्हों मे ऐसा क्या हुवा है, आप खुद ही पढ़कर देखे|

छोटीसी request ... पढ़ने के बाद फीडबैक देना ना भूले साथ ही और किसी विषय संबंधी स्क्रिप्ट हमे वेबसाईट पर अपलोड करना चाहिए यह भी सूचित करे।

पात्र :

विजय (उम्र २५ साल), विजय(उम्र २७ साल)

समय :

२ मिनिट

Acting audition script in hindi for male| ऐक्टिंग ऑडिशन स्क्रिप्ट इन हिन्दी

राजीव: वाह् विजय वाह्...अच्छी दोस्ती निभाई है तूमने।

विजय: थैंक्स मेरे दोस्त ।

राजीव: थैंक्स...? देखो विजय हर वक्त मजाक सही नहीं लगता, कुछ बाते सीरियस भी होती है। कल बिना किसी कारण के तूने अंजली को कॉल क्यो किया था ? वैसे भी तुझे पता था की श्याम को 7 बजे के बाद उसके पापा घर पर होते है, वो फोन नहीं उठा सकती।

विजय: राजीव मुझे लगता है की तु अभी बात करने के मूड मे नहीं है , हम कल बात करते है। ओके...चल मे तुझे घर छोड़ता हु।

राजीव: नहीं आज मे घर नहीं जाऊंगा, जो भी हो मुझे इसका कारण समझना हि चाहिए की तूने कल उसे कॉल क्यो किया था?

विजय: राजीव मेरे दोस्त कॉल नहीं किया था।

राजीव: पर मिसकॉल तो किया था ना ।

विजय: हा किया था, पर मैने ऐसा क्यो किया कम से कम यह तो जानलो । राजीव.(उसे दारु की स्मेल आती है) ..तूने दारु पिया है? राजीव इधर देख और सच सच बता तूने दारु पिया है ? (थोड़े जोर से) पागल हो गया है तु, एक लड़की के लिये आपनी ज़िंदगी बर्बाद करने जा रहा है।

राजीव: (थोड़ा आवाज बढ़ाते हुए)हा पिया है दारु...मैने दारु पिया है...बस ..खुश ? ..पता है किसकी वजह से.... सिर्फ तेरी वजह से ।ना तु कल उसे कॉल करता, ना हि उसके पापा को हमारे बारे मे पता चलता और ना हि वो हमे एकदूसरे से मिलने के लिए मना करते।

"" **दोस्त दोस्त ना रहा प्यार प्यार ना रहा** "....(गाना गाता है)

(नशे मे होते हुए) मुझे एक बात बता, तु उसे पसंद करता है,..... क्या ? बोल ना ... अभी वैसे भी मेरा सबकुछ ख़तम हुवा है , मेरे फटे पर तेरा टाका भिड़ जायेगा।

विजय: राजीव (जोर से..गुस्सा होते हुए...हाथ ऊपर करता है)

राजीव: (स्मिथहास्य) क्या हुवा ? हाथ निचे क्यो किया ? दोस्ती बिच मे आयी क्या ? छोड़ दे वो .. दोस्ती गयी भाड़ मे, तु मार मुझे कम से कम मेरा दुख तो कम हो जायेगा।

विजय: राजीव यार समजने की कोशिश करो , और वैसे भी मैने अभी कितना भी समझाने की कोशिश की ना तो भी वो तुम्हे नहीं समझनेवाला।

राजीव: मेरी माँ कहती थी दोस्ती करो पर उन्ही लोगों से जो अच्छे हो, जो आपको आपके बुरे वक्त मे साथ देते है, उनसे नहीं जिनकी वजह से अपना बुरा वक्त शुरु हो। पता है इसी बात पर मेरा माँ के साथ झगड़ा भी हुवा था।मैने बोला नहीं मेरे सब दोस्त अच्छे है,सब मुझे बुरे वक्त मे साथ देंगे, सब मेरा भला चाहते है, लेकिन नहीं मैं गलत था, जैसा मैने सोचा था ऐसा नहीं है बल्कि यह दोस्त हि दोस्त का घर बर्बाद करने मे लगे हुए है।

विजय: नहीं राजीव इस वक्त तुम्हारी सोच गलत है, प्यार मे अंधा हो गया है तु । आज इस लड़की के लिए तू मुझे लढ़ रहा है ? भूलना नहीं की मैंने इससे पहले तुम्हारी हर एक मुसीबत मे साथ तुम्हें साथ दिया है | अभी पिछले महीने की ही बात है तुमरी बहन का रोड एक्सीडेंट हुवा था तब कौन था तुम्हारे साथ ? ये... ये तेरा दोस्त ही था | तुमरे सगे चाचा भी उसे देखने तक अस्पताल मे नहीं आए वहा रात रात जागने के लिए दूसरा कोई नहीं था सिर्फ मै ही था| बात करता है .... और क्या बोला , उस लड़की को पसंद करता हु ,उसके साथ मेरा चक्कर चल रहा है | छि .... तू ऐसा सोच भी कैसे सकता है ? जब हम पहली बार मिले तब भी मेरी सोच वही थी और आज भी मेरी सोच वही है, दोस्ती के लिए जान भी दे सकता हु पर गद्दारी कभी नहीं करेगा|

तुजे जानना ही है ना की मैं उसे कॉल क्यों कर रहा था, तो ये ले सुनले | तुम्हारे और अंजली के बारे मे उसके पापा को पहले से ही पता चल चुका है और वो उसे बिना बताए शादी तय कर रहे है | जैसे ही मुझे यह बात पता चली सबसे पहले तुझे ही कॉल कीया था पर तू इतना बीजी था की मेरा फोन तक रीसीव करने का टाइम तुमरे पास नहीं था| अब बता ऐसे मे मुजे क्या करना चाहिए ?

राजीव: विजय मेरे दोस्त , सॉरी यार मुझे माफ कर दे , मुझे यह सब पता ही नही था| मैने सोचा तुम्हारी फोन के वजह से यह सब हुवा है |

विजय: चल छोड़ यार जो सुनना नहीं था वो सब सुन लिया और अभी सॉरी बोलकर क्या फायदा ?

राजीव: देख एसके बाद मुझसे कभी गलती नहीं होगी जिसे अपनी दोस्ती पर आंच आए ..... प्रॉमीस ..... प्लीज अभी मान जा |

विजय: (थोड़ा रोते ,थोड़ा हसते हुए) देख सिर्फ एक बार, ईसके बाद अगर तूने मेरे साथ कभीभी ऐसा बर्ताव किया तो अपनी दोस्ती खतम|

राजीव: ठीक है | थैंक्स यार मुझे समझने के लीये |

समाप्त .....

[हमे फॉलो करे(Instagram , Facebook , Youtube , Whatspp Channel)]

यह भी पढे :

Short Funny Script For Anchoring in Hindi| एंकरिंग स्क्रिप्ट इन हिंदी|

Comedy Short Script in Hindi | कॉमेडी स्क्रिप्ट इन हिंदी

Website: www.marathiauditionscript.com